<u>विश्व कविता दिवस के अवसर पर अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम</u>

एस एन सिन्हा कॉलेज में विश्व कविता दिवस पर कविता पाठ

आज 21 मार्च 2022 को विश्व कविता दिवस स्थानीय एस एन सिन्हा कॉलेज में धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने कविता पाठ का आयोजन किया। इस कविता पाठ में महाविद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य डा उमा शंकर सिंह सहित सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्र एवं छात्राओं की सहभागिता रही। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ सुबोध कुमार झा बताया कि विश्व कविता दिवस मनाने का चलन 1999 ईस्वी में यूनेस्को के 30 वें कांफ्रेंस में पारित प्रस्ताव से शुरू हुआ। इस प्रस्ताव का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य सभी भाषाओं की रचनाधर्मिता को सम्मान देना था ताकि सभी भाषाएं जीवित रहें, क्योंकि प्रत्येक भाषा किसी न किसी संस्कृति की वाहक होती है। डा झा ने कहा कि संस्कृति अपनी भाषा की रचनाधर्मिता विशेषकर कविताओं और गीतों में जीती है। डा झा ने इंग्लिश, हिंदी, भोजपुरी और नेपाली में लिखी अपनी कविताओं का पाठ किया।

इस कार्यक्रम में प्रोफेसर डॉ उमा शंकर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अंग्रेजी विभाग को इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए साधुवाद दिया और भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन की कामना प्रकट की। उन्होंने कविता विधा की महत्ता और उपादेयता पर भी प्रकाश डाला। डा सिंह ने, जो मगही और हिंदी के जाने माने कवि भी हैं , मगही और हिंदी की अपनी कई कविताओं का पाठ भी किया।

उर्दू विभाग की अध्यक्षा डॉ सिम्मी ने भी उर्दू में अपनी कविताओं का पाठ कर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया । डा सिम्मी, राजनीति विभाग के अध्यक्ष मो इंतेखाब आलम और हिंदी विभाग के अध्यापक डॉ अनिल कुमार सिंह ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस निर्णायक मंडल ने छात्र एवं छात्राओं की कविताओं का मूल्यांकन कर उन्हे प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्रदान किया। डा सुबोध कुमार झा ने सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र देने तथा प्रथम, द्वितीय , तृतीय के लिए प्रमाणपत्र के साथ साथ पुरस्कार की घोषणा भी की।

इस कार्यक्रम में प्रो डा उमाशंकर सिंह, डॉ सुबोध कुमार झा, डॉ सिम्मी, मो इंतखाब आलम, डॉ अनिल कुमार सिंह के अतिरिक्त पंकज कुमार सिंह, जन्मेजय कुमार, गीता कुमारी, देवव्रत, शशिभूषण कुमार, रसनारायण भगत, मिनहाजुद्दीन, राजीव नयन, राजीव कुमार सिंह, गौरव कुमार सिन्हा, विकास कुमार, मो शमीम, राजकुमार, सुनील कुमार, रंजन कुमार, चंदन कुमार आदि शिक्षकों एवं कर्मियों की गरिमामय उपस्थिति रही।